

# همین فرش چوب خورده

شهین منصوری آرانی

www.ketab.ir



انتشارات مروارید

سرشناسه: منصورى آراني، شهين  
 عنوان و نام پديدآور: همين فرش چوب خورده (مجموعه شعر) / شهين منصورى آراني.  
 مشخصات نشر: تهران: مرواريد، ۱۳۹۵.  
 مشخصات ظاهري: ۱۱۳ ص.  
 شابک: 978-964-191-460-0  
 وضعيت فهرست نويسى: فييا  
 موضوع: شعر فارسى - قرن ۱۴  
 موضوع: Persian poetry - 20<sup>th</sup> century  
 رده بندي کنگره: PIR ۸۳۶۱ / ۲۳۳۸ / ۱۳۹۵  
 رده بندي ديويي: ۸۱۶۲ / ۸  
 شماره کتابشناسى ملي: ۴۲۷۲۱۷۶



مرواريد

تهران، خيابان انقلاب، روبه روى دانش گاه تهران، پلاک ۱۱۸ / ص. پ. ۱۶۵۴ - ۱۳۱۴۵  
 دفتر: ۶۶۴۰۰۸۶۶ - ۶۶۴۱۴۰۴۶ - ۶۶۴۸۲۰۱۲ - ۶۶۴۸۴۰۲۷ - ۶۶۴۶۷۸۴۸ - ۶۶۴۶۷۸۴۸  
<https://instagram.com/morvaridpub> - <https://telegram.me/morvaridpub>  
[www.morvarid-pub.com](http://www.morvarid-pub.com)



همين فرش چوب خورده

(مجموعه شعر)

شهين منصورى آراني

توليد فنى: الناز ايلي

صفحه آرايى: تينا حسامى

چاپ اول بهار ۱۳۹۶

چاپخانه: کارنگ

تيراژ: ۵۵۰

شابک ۹۷۸-۹۶۴-۱۹۱-۴۶۰۰۰ ISBN 978-964-191-460-0

۱۰۵۰۰۰ ريال

## فهرست

|         |                      |
|---------|----------------------|
| ۹.....  | چه بستان داند درختان |
| ۱۳..... | کستر                 |
| ۱۵..... | عینک طبع             |
| ۱۸..... | پرچم                 |
| ۲۰..... | پرنده‌ی دوسر         |
| ۲۲..... | پودر اندود           |
| ۲۴..... | کبوتر                |
| ۲۷..... | آب شور               |
| ۲۹..... | برف می‌بارید         |
| ۳۱..... | مترسک                |
| ۳۳..... | هوای بهاری           |
| ۳۴..... | لب‌های گس خرمالو     |
| ۳۵..... | سرهای کبریت          |
| ۳۷..... | حالا چه کنیم         |
| ۳۸..... | فرمانده              |
| ۴۰..... | عکس‌های جنگ          |
| ۴۱..... | پشیمان               |
| ۴۲..... | لانه                 |
| ۴۴..... | خواب زن              |
| ۴۵..... | ماه                  |

|    |             |
|----|-------------|
| ۴۶ | سرزمین      |
| ۴۷ | دلگیر       |
| ۴۸ | تا زمستان   |
| ۴۹ | وهم غروب    |
| ۵۰ | حراج        |
| ۵۱ | لبخند       |
| ۵۲ | دره         |
| ۵۳ | گلدان سبز   |
| ۵۴ | دماغی       |
| ۵۵ | برف         |
| ۵۶ | رس          |
| ۵۷ | آمدن        |
| ۵۸ | غایب        |
| ۵۹ | می فهمم     |
| ۶۰ | هر بار      |
| ۶۱ | ظهر فردا    |
| ۶۲ | دیوار کوتاه |
| ۶۳ | پرده        |
| ۶۴ | اتفاق       |
| ۶۵ | بدرقه       |
| ۶۶ | ارواح       |
| ۶۷ | دزدی        |
| ۶۸ | فراموشی     |
| ۶۹ | چمدان       |
| ۷۰ | حساب        |
| ۷۱ | پس لرزه     |
| ۷۲ | خالی        |
| ۷۳ | تور         |

|     |          |
|-----|----------|
| ۷۴  | عجایب    |
| ۷۵  | می چرخد  |
| ۷۶  | یک خط    |
| ۷۷  | سایه     |
| ۷۸  | من نیستم |
| ۷۹  | گویا     |
| ۸۰  | شت پا    |
| ۸۱  | هرگز     |
| ۸۲  | گله      |
| ۸۳  | نمی      |
| ۸۴  | دارد     |
| ۸۵  | باریک    |
| ۸۶  | در راه   |
| ۸۷  | خانه     |
| ۸۸  | پل       |
| ۸۹  | دکمه‌ها  |
| ۹۰  | تا من    |
| ۹۱  | مزه      |
| ۹۲  | عاشق     |
| ۹۳  | صخره     |
| ۹۴  | پرواز    |
| ۹۵  | صبر      |
| ۹۶  | روبه‌رو  |
| ۹۷  | چتر      |
| ۹۸  | اسم      |
| ۹۹  | برگ‌ها   |
| ۱۰۰ | دود      |
| ۱۰۱ | برابر    |

|                                     |     |
|-------------------------------------|-----|
| ماندن                               | ۱۰۲ |
| قیچی                                | ۱۰۳ |
| قلاب                                | ۱۰۴ |
| چرا                                 | ۱۰۵ |
| برای رفتن رضا بروسان و الهام اسلامی | ۱۰۶ |
| گل                                  | ۱۰۷ |
| پیغام                               | ۱۰۸ |
| سهم تور                             | ۱۰۹ |
| آوار                                | ۱۱۰ |
| جاده                                | ۱۱۱ |
| خس                                  | ۱۱۲ |